GOVERNMENT OF INDIA
MINISTRY OF EDUCATION
DEPARTMENT OF SCHOOL EDUCATION & LITERACY

RAJYA SABHA
STARRED QUESTION NO. 156
TO BE ANSWERED ON 16.03.2022

Engaging empanelled private publishers for printing of NCERT books

156 **Shri K.C. Venugopal:**

Will the Minister of ***Education*** be pleased to state:

(a) the reasons for engaging empanelled private publishers for printing of NCERT books;
(b) whether Government is providing papers through selected paper mills to these publishers for printing of NCERT books;
(c) if so, the details thereof;
(d) whether Government has received complaints for using poor quality papers for printing of NCERT books by the empanelled publishers/printers; and
(e) if so, whether Government has conducted any enquiry and audit of empanelled publishers for utilization of allotted papers and if so, the outcome thereof?

ANSWER

MINISTER OF EDUCATION
(SHRI DHARMENDRA PRADHAN)

(a) to (e) A statement is laid on the Table of the House.

****

STATEMENT REFERRED TO IN REPLY TO PARTS (a) to (e) OF THE RAJYA SABHA STARRED QUESTION NO. 156 TO BE ANSWERED ON 16.03.2022 ASKED BY SHRI K.C. VENUGOPAL, HON'BLE MEMBER OF PARLIAMENT REGARDING 'ENGAGING EMPANELLED PRIVATE PUBLISHERS FOR PRINTING OF NCERT BOOKS'.

(a) The National Council of Educational Research and Training (NCERT) has informed that as a practice it outsources printing of its textbooks through empanelled printers.

(b) and (c) NCERT provides NCERT watermark paper to the empanelled printers through the paper mills, selected through open tender on Government e-Marketplace (GeM) portal.

(d) and (e) NCERT has informed that they have not received such types of complaints.

भारत सरकार
शिक्षा मंत्रालय
स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग

राज्य सभा
तारांकित प्रश्न संख्या: 156
उत्तर दिये जाने की तारीख: 16.03.2022

एनसीईआरटी पुस्तकों के मुद्रण-कार्य पैनलबद्ध निजी प्रकाशकों को सौंपा जाना

***156 श्री के.सी. वेणुगोपाल:**

क्या ***शिक्षा*** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) एनसीईआरटी की पुस्तकों का मुद्रण-कार्य पैनलबद्ध निजी प्रकाशकों को सौंपे जाने के क्या कारण हैं;
(ख) क्या सरकार एनसीईआरटी पुस्तकों के मुद्रण के लिए इन प्रकाशकों को चयनित पेपर मिलों के माध्यम से कागज उपलब्ध करा रही है;
(ग) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
(घ) क्या सरकार को एनसीईआरटी की पुस्तकों के मुद्रण के लिए पैनलबद्ध प्रकाशकों/मुद्रकों द्वारा खराब गुणवत्ता वाले कागजों का उपयोग करने की शिकायतें मिली हैं; और
(ड.) यदि हां, तो क्या सरकार ने आवंटित कागजों के उपयोग के लिए पैनलबद्ध प्रकाशकों की कोई जांच और संपरीक्षा कराई है और यदि हां, तो इसके क्या निष्कर्ष निकले?

उत्तर
शिक्षा मंत्री
(श्री धर्मेन्द्र प्रधान)

(क) से (ड.): विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है।

******

एनसीईआरटी पुस्तकों के मुद्रण-कार्य पैनलबद्ध निजी प्रकाशकों को सौंपा जाना के संबंध में माननीय संसद सदस्य श्री के.सी. वेणुगोपाल द्वारा दिनांक 16.03.2022 को पूछे जाने वाले राज्य सभा तारांकित प्रश्न संख्या 156 के भाग (क) से (ड.) के उत्तर में उल्लिखित विवरण

(क): राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) ने सूचित किया है कि परिपाटी के रूप में, यह पैनलबद्ध मुद्रकों के माध्यम से अपनी पाठ्यपुस्तकों के मुद्रण की आउटसोर्सिंग करती है।

(ख) और (ग): एनसीईआरटी द्वारा गवर्नमेंट ई-मार्केटप्लेस (जीईएम) पोर्टल पर खुली निविदा के माध्यम से चयनित पेपर मिलों के माध्यम से पैनलबद्ध मुद्रकों को एनसीईआरटी वॉटरमार्क पेपर प्रदान किया जाता है।

(घ) और (ड.): एनसीईआरटी ने सूचित किया है कि उन्हें ऐसी शिकायतें नहीं मिली हैं।

*****

SHRI K.C. VENUGOPAL: Thank you, Sir.

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Question Hour is over. The House stands adjourned till 2.00 p.m.